सं भो वि |हिसार | 23-86 | 34586 --- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि परिवहन भ्रायुक्त, हरियाणा चण्डीगढ़, (2) हरियाणा राज्य परिवहन, सिरसा, के श्रमिक श्री शमशेर सिंह, पुत्र श्री चन्द्र भान मार्फत श्री विजय कुमार बंसल, एडवोकेंट, सिरसा तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 96 41-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबन्धित है:---

क्या श्री शमशेर सिंह मकैनिक की सवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? सं० ग्रो०वि०/एफ. डी./289-85/34593.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि हरियाणा प्ररवन डिवेलपमेन्ट, सैक्टर-16, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री मयन सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह, मार्फत प्रधान मर्कनटाईल इम्पलाईज एसोसिएशन, एच-347, न्यु राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भीद्योगिक विवाद है:

भीर चं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रीशोगिक विवाद श्रिधितयम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रीधसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधित्यम की धारा 7 के अधीन गरित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादशस्त या उससे मुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिणेय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादशस्त मामला है या विवाद से मुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :---

नया श्री मधन सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित वथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो वि । एफ.डी. | 12-86 | 34600. -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर-16, फ़रीदाबाद के श्रमिक श्री शेर सिंह, मार्फत प्रधान मर्जनटाईल इम्पलाईज एसोसिएशन, एच-347, न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली-110060 तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है ;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्वायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भव, भौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी भिद्यमूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त भिष्टिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, का विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त भागला है या विवाद से सुसंगत भाषवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री शेर सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो बि /एफ ॰ डी ॰ / 64-86/34607. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर-16, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रिवन्द्र, पुत्र श्री भीखम, मार्फ,त श्री एम.के. भन्डारी, कोठी नं 360, सैक्टर-19, फरीदाबाद, तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं० 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57-11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम ग्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनण्य एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत भाषता संबंधित मामला है :---

क्या श्री रिवन्द्र की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहृत की हुकदार है?